Favour to foreign computer giants

2220. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government are showing special favour to foreign computer giants to put up joint ventures in India and neglecting the indigenous computer manufacturers;

(b) if so, the details of the foreign computer giants which propose to set up their ventures in India;

(c) whether Government have since ascertained the impact of foreign giants on indigenous computer manufacturing industry; and

(b) if so, the steps Government pronose to take to encourage indigenous computer manufacturers rather than the foreign know-how?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI K. R. NARAYANAN): (a) No, Sir.

(b) and (c) Proposals from Indian Computer Manufacturing Industry for foreign collaboration and/or joint ventures received in the past have been considered and allowed on a case to case basis. In most of these cases the collaborations cover also high end systems like graphic work stations, supermines and mainframes. Mutual impact on each other's business will depend on factors like production efficiency, after sales service etc.

(d) Government, after the announcement of the Computer Policy in 1984 is following a liberal policy for the manufuture of computers. Under this policy, liberal imports of the design and drawings are allowed for the procurement of new technologies. Through fiscal measures, the Government is also providing adequate protection to the indigenous industry from imports, wherever necessary.

भारत में गरीबी का उन्मूलन

2221. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान वर्ल्ड वाच पेपर 88 द्वारा हाल ही में प्रकाशित एक्शन अगेंस्ट द "ग्रासरूट्स: फाईटिंग पावर्टी एंड एनवायरनमेंटल डिक्लाइन" शीर्षक से एलान डा. डारनिंग द्वारा लिखित रिपोर्ट की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां तो इस रिपोर्ट की मुख्य-मुख्य बातों का ब्यौरा क्या है ;

(ग) रिपोर्ट पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(घ) योजना के अंतर्गत अपने कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने के लिए सरकार द्वारा बनाई गई योजना का ब्यौरा क्या है ?

योजना मंत्री तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री (श्री माधव सिंह सोलंकी) : (क) जी हां ।

(ख) इस रिपोर्ट में मुख्यत: विश्व में हो रहे पर्यावरणीय निम्नीकरण की ओर ध्यान दिलाया गया है, यह भी गरीबी की अप-वृद्धि का कारण है । इसमें लोगों की आधार स्तर पर ही एकत्रित होने पर बल दिया गया है ताकि पर्यावरणीय निम्नीकरण और गरीबी का मुकबला किया जा सके ।

(ग) और (घ) सरकार ने पर्यावरणीय निम्नीकरण के भयकारी स्थिति का निवारण करने के लिए पहले ही

कई उपाय प्रारम्भ किए है । जहां भी सम्भव हुआ है अधार स्तर पर लोगों को भी शामिल किया गया है । भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों में निम्नलिखित शामिल है :

(1) वनों का सर्वेक्षण और संरक्षण, वनरोपण कार्यक्रम और परती भूमि का विकास ।

(2) मृदा संरक्षण, जल विभाजन क्षेत्रों का रक्षण, बाढ़ नियंत्रण, सूखा-रोधक और मरुस्थल-वृद्धि उपाय और भूमि की उत्कृष्टता का रक्षण ।

(3) जल संरक्षण और जल प्रदूषण से बचाव और नियंत्रण ।

(4) वायु प्रदूषण से बचाव और नियंत्रण ।

(5) गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों के विकास के लिए उपाय ।

(6) इस स्थिति से निपटने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों में भाग लेना, और

(7) ऊर्जा के संरक्षण के लिए उपाय ।

उपर्युक्त के अलावा, एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम और ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम नामक गरीबी-उन्मूलन कार्यक्रम छठी पंचवर्षीय योजना में भी प्रारम्भ किए गए हैं।

आयुर्वेदिक पद्धति से कैंसर का इलाज

2222. **श्री राम नरेश यादव :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ लोगों ने आयुर्वेद पद्धति से कैंसर का इलाज करने का दावा किया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या मेरठ के वैद्य बालेन्द्र प्रकाश एक ऐसे दावा करता हैं ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने उनके द्वारा किए गए दावे की प्रामाणिकता के संबंध में कोई जांच करवाई है ;

(घ) यदि हां, तो इस जांच के क्या परिणाम निकले हैं ; और

(ङ) इस संबंध में सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ;?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री कुमारी सरोज खापर्डे : (क) और (ख) जी, हां ।

(ग) से (ङ) मैं वैद्य चन्द्र प्रकाश कैंसर रिसर्च फाउंडेशन, मेरठ के वैद्य बालेन्द्र प्रकाश ने केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान लखनऊ के वैज्ञानिकों, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, केन्द्रीय आयुर्वेद और सिद्ध अनुसंधान परिषद् के अधिकारियों तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों के साथ अनेक बैठकें की है । भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद का यह विचार है कि उनके द्वारा प्रयोग की गई कैंसर रोधी औषधि तैयार करने की परम्परागत प्रचलित विधियां बहुत ही दुर्वह और अधिक समय लेने वाली है उनका यह भी विचार है कि उन्होंने औषध के मानकीकरण और गुणवत्ता नियंत्रण के बारे में कोई प्रयत्न नहीं किया है और उन्होंने जो परियोजना प्रस्तुत की है उसकी लागत बहुत अधिक है । इसलिए उन्होंने यह मांग की है कि वैद्य बालेन्द्र प्रकाश को कैंसर के 15 रोगियों के उपचार के लिये परिर्याप्त औषध उपलब्ध करनी चाहिए और इस औषध को जब केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान पूर्व नैदानिक विषाक्तता संबंधी अध्ययन क्लीयर कर देगी तो उसके पश्चात् यह परिषद इस औषद की प्रायोगिक अधार पर परीक्षण की व्यवस्था करेगी ।

वैद्य बालेन्द्र प्रकाश से दिसम्बर, 1988 में अनुरोध किया गया था कि